**लापरवाही** लाइफ जैकेट समय पर नहीं हुई मुहैया, सुरक्षा मानकों पर उठे सवाल,एक्शन : पायलट, हेल्पर, टिकट काउंटर की सेवाएं समाप्त, मैनेजर निलंबित, रीजनल मैनेजर मुख्यालय अटैच

# बरगी बांध की लहरों में समाईं 9 जिंदगियां

**खुशियों के सफर का खौफनाक मंजर के साथ अंत**
**अभी भी 4 लापता, रेस्क्यू बंद आज सुबह होगी तलाश**

**जबलपुर।** बरगी बांध में गुरुवार शाम तेज आंधी चलने से खमरिया टापू के पास पर्यटकों से भरा क्रूज अचानक असंतुलित होकर डूब गया था और खुशियों भरी शाम का सफर का खौफनाक अंत में तब्दील हो गया, दर्दनाक हादसे ने हर किसी को झकझोर कर रख दिया है। सैर-सपाटे और हंसी-मजाक के बीच शुरू हुआ क्रूज का यह सफर अपनों के लिए उम्र भर का दर्द बन गया। गुरुवार शाम हुए इस दर्दनाक हादसे में 9 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। क्रूज पर सवार पर्यटक कुदरत की खूबसूरती और लहरों का आनंद ले रहे थे। शाम का वक्त था और हर कोई खुशनुमा पलों को तस्वीरों में कैद करने में व्यस्त था। किसी को इस बात का गुमान तक नहीं था कि जिस पानी के साथ वह अठखेलियां कर रहे हैं, वही काल बनकर उन्हें लील जाएगा। गुरूवार शाम से चला रेस्क्यू रातभर और फिर शुक्रवार की शाम तक जारी रहा। चार शव कल तो दूसरे दिन शुक्रवार को पांच और शव बरामद किए गए। रेस्क्यू जारी है और चार अब भी लापता है। जिनकी देर शाम तक सर्चिंग चली, लेकिन सुराग न लगने पर शाम करीब साढ़े सात बजे अंधेरा होने से रेस्क्यू बंद कर दिया गया। आज पुन: उनकी तलाश होगी। इस हृदय विदारक घटना ने सुरक्षा मानकों पर भी सवाल उठा दिए हैं। पर्यटकों को लाइफ जैकेट जैसे सुरक्षा उपकरण समय पर मुहैया क्यों नहीं कराए गए, अगर उपकरण समय पर मिल जाते तो शायद कई जिंदगियां बच जातीं। मामले में मुख्यमंत्री मोहन यादव ने लापरवाही उजागर होने के बाद एक्शन ले लिया है। हादसे में लापरवाही बरतने के मामले में दोषियों पर कार्रवाई की गई है। क्रूज पायलट महेश पटेल, क्रूज हेल्पर छोटेलाल गोंड एवं टिकट काउंटर प्रभारी बृजेंद्र की सेवाएं तत्काल प्रभाव से समाप्त की गई हैं। इसके साथ ही होटल मैकल रिसॉर्ट और बोट क्लब बरगी के मैनेजर सुनील मरावी को कार्य में लापरवाही बरतने के कारण निलंबित किया गया है, जबकि रीजनल मैनेजर संजय मल्होत्रा को मुख्यालय अटैच कर विभागीय जांच संस्थित की गई है। सीएम ने कहा कि दोषियों को किसी भी स्थिति में बख्शा नहीं जाएगा।

जानकारी के अनुसार बरगी बांध में गुरुवार को पर्यटकों ने खुशी-खुशी डबल डेकर क्रूज का लुत्फ उठाने 40 से ज्यादा पर्यटक बांध की सैर पर निकले। क्रूज बांध की लहरों पर हिचकोले खाते हुए आगे बढ़ा, सभी अपनी मस्ती में डूब गए लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। शाम शाम 5:50 बजे अचानक आंधी चलने के बाद क्रूज हिलने लगा, निचले हिस्से में पानी भरने लगा। संतुलन बिगड़ा क्रूज एक तरफ झुका और शाम 6 बजे पानी में डूब गया। क्रूज 20 साल पुराना बताया गया। क्रूज की कुल क्षमता 70 सीट थी। प्रथम दृष्ट्या आंधी-तूफान की वजह से क्रूज के डूबने की आशंका जताई जा रही है साथ ही तकनीकी खामियां भी होने की आशंका है।

चार लाशों को नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज अस्पताल में लाया गया। शवों को मरचुरी में रखा गया था। शुक्रवार को पीएम के बाद शवों को परिजनों को सौंप दिया गया लेकिन तीन शव जो दिल्ली व साउथ के हैं उन्हें अभी सुरक्षित रखा गया है जिन्हें जल्द ही उनके निज निवास तक व्यवस्था कर भेजा जायेगा।

### दोषियों पर कार्रवाई लापरवाही दोबारा न हो : तंखा

राज्यसभा सांसद विवेक कृष्ण तंखा ने कहा कि इस दुखद घटना के दोषियों पर कठोर कार्रवाई होनी चाहिए, सरकार जनता की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दे। ताकि भविष्य में ऐसी लापरवाही दोबारा न हो। घटना में प्रभावित सभी लोगों को न्याय दिलाने के लिए वे हरसंभव प्रयास करेंगे। हादसे के जिम्मेदारों के खिलाफ सख्त और त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए वे प्रशासन से बातचीत करेंगे।

### प्रधानमंत्री मोदी ने व्यक्त की संवेदनाएं

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने क्रूज पलटने की दुखद घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने इस हादसे को अत्यंत पीड़ादायक बताते हुए मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया पर इस दुखद घटना में अपने प्रियजनों को खोने वालों के प्रति शोक संवेदनाएं व्यक्त की हैं। उन्होंने कहा कि सरकार और प्रशासन प्रभावितों की हर संभव सहायता में जुटा हुआ है उन्होंने प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से राहत राशि की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि हादसे में प्रत्येक मृतक के परिजन को 2-2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। वहीं घायल लोगों को 50-50 हजार रुपये आर्थिक सहायता दी जाएगी।

### पीड़ित परिवारों से मिले सीएम, ढांढस बंधाया घटना स्थल भी पहुंचे

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने शुक्रवार दोपहर जबलपुर पहुँचकर पीड़ित परिवारजनों से भेंट की। उन्होंने शोक संतप्त परिवार जनों को ढांढस बंधाया और दुख की इस घड़ी में राज्य शासन की ओर से हर संभव सहयोग का आश्वसन दिया। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव बरगी बांध हादसे में पीड़ित परिवारों से मिलने आज दोपहर लगभग तीन बजे भोपाल से डुमना एयरपोर्ट पहुँचे। उन्होंने वेस्ट लेंड खमरिया स्थित कामराज के निवास पहुँचकर शोक संवेदनाएं व्यक्त की। बरगी बांध क्रूज हादसे में कामराज की पत्नी का निधन हो गया है। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने सिविल लाइन स्थित सैयद रियाज हुसैन और कोतवाली से दरहाई मार्ग स्थित कृष्णा सोनी के निवास पहुँचकर भी शोक संवेदनाएं व्यक्त की। हादसे में सैयद रियाज हुसैन की पत्नी रेशमा सैयद एवं उनकी समधन सैयदा शमीम फातिमा जैदी का तथा दरहाई निवासी कृष्णा सोनी की पत्नी श्रीमती नीतू सोनी की डूबने से मौत हो गई थी । मुख्यमंत्री डॉ यादव ने सैयद रियाज हुसैन से घटना के बारे में पूरी जानकारी ली और उन्हें ढांढस बंधाया।

### नेता प्रतिपक्ष ने सरकार पर उठाए सवाल

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार ने बरगी डैम स्थित हादसे स्थल का दौरा किया। उन्होंने प्रदेश सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राज्य की भाजपा सरकार पूरी तरह से असंवेदनशील हो चुकी है और इस दुखद घटना के बाद भी जिम्मेदार लोगों पर कोई कार्रवाई नहीं की गई है। केवल जांच की बात करना काफी नहीं है। हादसे के इतने समय बीत जाने के बावजूद दोषियों के खिलाफ कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। उन्होंने सरकार की कार्यशैली पर सवाल उठाए । मौके पर सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं थे। यहां तक कि पर्यटन विभाग के पास तूफानों और आपात स्थितियों से निपटने के लिए कोई उपकरण तक मौजूद नहीं है। उन्होंने गहरा दुख जताया कि पर्यटकों के लिए लाइफ जैकेट जैसी बुनियादी सुरक्षा सामग्री भी उपलब्ध नहीं कराई जा सकी, जो कि बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने प्रशासन से तत्काल प्रभाव से सभी पर्यटन स्थलों पर सुरक्षा मानकों को सख्त करने और लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

### मेडिकल पहुंचकर कलेक्टर ने जाना घायलों का हाल

कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह ने मेडिकल कॉलेज अस्पताल का दौरा कर बरगी हादसे में घायल हुए लोगों से मुलाकात की और उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली।

## तीन बिन्दुओं पर होगी उच्च स्तरीय जांच

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बरगी बांध में हुई क्रूज़ दुर्घटना की उच्च स्तरीय जांच के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि दुर्घटना के दोषियों को बख्शा नहीं जायेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सचिव होमगार्ड नागरिक सुरक्षा और संभागायुक्त जबलपुर द्वारा घटना की सूक्ष्मता से तीन बिंदुओ पर जांच की जायेगी, जिसमें दुर्घटना के सटीक कारणों का पता लगाना, तत्कालीन परिस्थितियों का विश्लेषण करना और क्रूज संचालन से जुड़ी सभी प्रासंगिक नियम व खामियों की जांच करना शामिल है। जिससे भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए एक एसओपी तैयार की जा सके। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने क्रूज हादसे में 28 व्यक्तियों की जान बचाने वाले प्रत्येक श्रमिक को 51-51 हजार रूपये की राशि देने की घोषणा भी की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह बात बरगी बांध के घटना स्थल में चल रहे राहत और बचाव कार्य के अवलोकन के दौरान कही। तात्कालिक रूप से जल जीवन मिशन के कर्मियों ने 16 लोगों की घटना स्थल पर तुरंत ही जान बचाई। घटना में 9 लोगों के शव बरामद किये गये हैं और अभी रेसक्यू अभियान जारी है। उन्होंने कहा कि पीड़ितों के परिजनों को 4-4 लाख रूपये की आर्थिक सहायता दी जायेगी। पीड़ितों के संकट की इस घड़ी में सरकार उनके साथ है। इसके साथ ही उन्होंने घटना में प्रभावित परिवारों से मिलकर उन्होंने सांत्वना दी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राहत कार्य में संलग्न सेना, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, जल निगम और विद्युत विभाग के लोगों से बचाव व राहत के संबंध में संवाद किया।

**इन बिंदुओं पर होगी उच्च स्तरीय जांच**

- दुर्घटना के सटीक कारणों का पता लगाना
- तत्कालीन परिस्थितियों का विश्लेषण करना
- क्रूज संचालन से जुड़ी सभी प्रासंगिक नियमों व खामियों की जांच करना

## सही सलामत लौटे करण ने कहा - मैनेजमेंट की लापरवाही, जीरो था इंतजाम, सबसे पहले भागा पायलट, क्रूज डूबने की कगार पर मिली जैकेट

### जिंदा लौटे पर्यटकों, अपनों को गंवाने वालों ने नवभारत को सुनाई आपबीती

क्रूज हादसा न केवल कुदरत का कहर था, बल्कि मानवीय लापरवाही की पराकाष्ठा भी था। बनारस से जबलपुर घूमने आए करण वर्मा और उनके परिवार के लिए यह सैर एक कभी न भूलने वाले बुरे सपने में बदल गई। हादसे से सही- सलामत बच निकले करण ने नवभारत को जो दास्तां सुनाई, वह सुरक्षा इंतजामों के दावों की धज्जियां उड़ाती है। करण वर्मा अपने परिवार के 9 सदस्यों के साथ क्रूज पर सवार थे। उन्होंने बताया, हम बीच नदी में थे जब अचानक आंधी- तूफान शुरू हो गया। पूरा मैनेजमेंट फेल था। पायलट को देखकर लग ही नहीं रहा था कि वह अनुभवी है। जब लहरें तेज हुईं, तो सभी पर्यटक चिल्ला रहे थे कि नाव को किनारे लगा दो, लेकिन पायलट की सूझबूझ काम नहीं कर रही थी। करण के अनुसार, पायलट ने उस वक्त सबसे बड़ी गलती की जब उसने ऊपर (ओपन डेक) बैठे लोगों को नीचे के एसी केबिन में जाने को कहा। करण कहते हैं, अगर हम ऊपर होते तो हमारा दिमाग काम करता और बचने का मौका होता, लेकिन नीचे हम पैक हो गए। कुछ ही देर में नीचे का बेस फट गया और पानी भरने लगा।

### छीनने पड़े लाइफ जैकेट

हैरत की बात यह है कि आपदा के समय भी क्रूज स्टाफ ने पर्यटकों को सुरक्षा उपकरण नहीं दिए। करण ने बताया, लाइफ जैकेट अलमारी में रखे थे और उन पर ताला लगा हुआ था। जब क्रूज पलटने लगा, तब मैंने जिद करके ताला खुलवाया और दौड़-दौडक़र लोगों के लिए जैकेट छीने। वहां स्टाफ मदद करने के बजाय सिर्फ प्रार्थना कर रहा था, वे हमारी बात सुन ही नहीं रहे थे।

### शीशा तोड़कर बचाई अपनी जान

हादसा इतना तेज था कि महज 2 सेकंड में क्रूज पलट गया। करण की मौसी ने हिम्मत दिखाई और केबिन का कांच तोड़ा, जिससे लोग बाहर निकल पाए। करण का आरोप है कि जान बचाने की जिम्मेदारी जिस पायलट पर थी, वही संकट देखते ही सबसे पहले ही पानी में कूदा और भाग निकला। करण वर्मा और उनका परिवार आज लाइफ जैकेट और अपनी सूझबूझ की बदौलत जिंदा है, लेकिन उनकी आपबीती कई गंभीर सवाल खड़े करती है। अब सवाल उठ रहे है कि पर्यटकों की जान बचाने वाले लाइफ जैकेट ताले में बंद क्यों थे? क्या पायलट के पास ऐसे आपातकालीन हालातों से निपटने की ट्रेनिंग थी? खराब मौसम की चेतावनी के बावजूद क्रूज को बीच जलधारा में क्यों ले जाया गया?

### स्टाफ ने समय पर नहीं दी लाइफ जैकेट: राकेश

नवभारत से चर्चा के दौरान गढ़ा, गंगानगर (लाल बिल्डिंग) निवासी राकेश सोनी ने इस हादसे की जो आपबीती सुनाई है, वह रोंगटे खड़े कर देने वाली है। उनके परिवार के सात सदस्य एक साथ खुशियाँ मनाने निकले थे, लेकिन लौटते वक्त दो सदस्यों की कमी ने पूरे परिवार को उम्र भर का गम दे दिया है। राकेश सोनी ने बताया कि उनके साले ने क्रूज पर एक वीडियो बनाया था, जो अब इस हादसे का सबसे बड़ा सबूत है। सोनी का आरोप है कि जब परिवार क्रूज पर चढ़ा, तब उन्हें लाइफ जैकेट नहीं दी गई। पानी में लहरें तेज होने लगी थीं और खतरा साफ दिख रहा था, फिर भी स्टाफ शांत बैठा रहा। जब क्रूज अनियंत्रित होकर डूबने लगा, तब जाकर स्टाफ ने आनन-फानन में लाइफ जैकेट बांटना शुरू किया। राकेश सोनी के अनुसार, तब तक बहुत देर हो चुकी थी, मौत सामने खड़ी थी। इस हादसे में राकेश सोनी के बड़े भाई की साली नीतू सोनी की पानी में डूबने से मौत हो गई। परिवार पर दुखों का पहाड़ तब और टूट गया जब पता चला कि उनका 6 वर्षीय मासूम बच्चा, विराज सोनी, अभी भी लापता है। हादसे के कई घंटों बाद भी विराज का कोई सुराग नहीं मिल पाया है, जिससे परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

### क्रूज का संतुलन बिगड़ा, लहरें उठीं, हर कोई डूबने लगा

सैयद ने बताया कि वे परिवार के साथ क्रूज पर सवार हुए तब सब कुछ सामान्य था। पत्नी, समधन, नाती के साथ थे, सवा छह बजे अचानक मौसम का खराब होने से आंधी चली और क्रूज का संतुलन बिगडऩे लगा लहरें ऊपर उठने लगी, क्रूज में पानी भरा और हर कोई डूबने लगा था। चारों तरफ चीख-पुकार और तेज अंधड़ का शोर था।

### तीन घंटे फंसे रहे, चमत्कार हुआ और जीवित निकले

रियाज करीब तीन घंटे क्रूज में फंसे थे। पानी गर्दन के ऊपर और पूरा शरीर पानी के अंदर था। उन्होंने बचने की उम्मीद छोड़ दी थी, वे बुरी तरह फंस चुके थे। सिर्फ सांसे चल रही थी। लेकिन अचानक चमत्कार जैसा हुआ और रेस्क्यू दल ने उन्हें सही सलामत निकाल लिया ।

## सुरक्षा कवच बन बेटे को सीने से लिपटाए रही मां

बरगी क्रूज हादसे की मार्मिक तस्वीर सामने आई जिसमें एक मां मरीना मैसी अपनी अंतिम सांस तक अपने मासूम बेटे को सीने से लिपटाए रही। हृदय विदारक तस्वीर ने सभी को झकझोर कर रख दिया। यह तस्वीर एक मां के उस निस्वार्थ और अटूट प्रेम की गवाह है, जो मौत के खौफनाक मंजर में भी अपने बच्चे के लिए सुरक्षा कवच बनी रही। रेस्क्यू टीम ने जब पानी की गहराई से मां और उसके मासूम बेटे का शव बाहर निकाला, तो वहां मौजूद हर शख्स की आंखें नम हो गईं। हादसे के बाद जब राहत और बचाव कार्य जारी था, तब गोताखोरों को पानी के बीच एक महिला का शव मिला। महिला ने लाइफ जैकेट पहन रखी थी, लेकिन उसकी बाहों ने अपने मासूम बेटे को किसी वज्र की तरह जकड़ रखा था। ऐसा प्रतीत होता है कि डूबते वक्त मां ने खुद को बचाने से ज्यादा प्राथमिकता अपने बच्चे को सुरक्षित रखने को दी। उसने मासूम को अपने सीने से इस तरह चिपकाया हुआ था कि मौत की लहरें भी उस पकड़ को ढीली नहीं कर पाईं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जब नाव पलटी और चीख-पुकार मची, उस अफरा-तफरी के बीच भी इस मां का पूरा ध्यान अपने कलेजे के टुकड़े पर था। उसने उसे अपनी आगोश में लिया और लहरों से जूझती रही। आखिरकार, किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। पानी के सैलाब ने दोनों की जान ले ली, मगर मां की ममता को वह डिगा नहीं सका। जब दोनों की लाशें मिलीं, तो वे एक-दूसरे से पूरी तरह लिपटी हुई थीं। एक ऐसी अंतिम झप्पी जो अब इस हादसे की सबसे गमगीन दास्तां बन गई है।

## भोपाल समेत चार जिलों से आई टीमें

रेस्क्यू के लिए भोपाल समेत चार जिलों से टीमें बुलाई गई थीं। भोपाल से एनडीआरएफ, एसडीआरएफ की टीमें आई । इसके अलावा सेना को भी बुलाया गया। कटनी, नरसिंहपुर, सिवनी से भी गोताखोरों को रेस्क्यू के लिए बुलाया गया था। करीब डेढ़ सौ से अधिक लोग रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटे थे।

### क्रूज को किनारे लाया, सर्चिंग चली

शुक्रवार सुबह 11.50 बजे क्रूज को रेम्प बनाकर किनारे लाया गया। दोपहर में सर्चिंग चली । विदित हो कि क्रूज करीब 20 फीट गहरे पानी में फंसा था। अंधेरा बढऩे और खराब मौसम के कारण रेस्क्यू ऑपरेशन में दिक्कतें आ रही थी। जेसीबी और नाव की मदद से डूबे क्रूज को घाट से लगभग 30 मीटर दूरी तक लाया गया था। दूसरे दिन शुक्रवार को आगे खींचने पोकलेन मशीन भी बुलाई गई। हेलिकॉप्टर भी आया ।

### जबलपुर, तमिलनाडु, दिल्ली, भोपाल के मृतक

मृतकों में जबलपुर समेत तमिलनाडु, न्यू दिल्ली, भोपाल के निवासी शामिल हैं। मृतकों में श्रीमती नीतू सोनी (43) निवासी कोतवाली जबलपुर, श्रीमति सोभाग्यम अलागन (42) निवासी अन्ना नगर, वेस्ट तारापुरम, टी.के. थाना मुनगर, तिरूपूरूर तमिलनाडू, श्रीमती मधुर मैसी (62) निवासी खाजन बस्ती थाना न्यू दिल्ली, श्रीमती काकुलाझी (38) निवासी खमरिया, जबलपुर, रेशमा सैयद (66) निवासी सिविल लाइन जबलपुर, शमीम नकवी (66) निवासी डेरखी भोपाल, ज्योति श्रीवास (34) निवासी फूटाताल घमापुर जबलपुर, त्रिशान (4), मरीन मैसी शामिल है।

### इन्होंने जीती जिंदगी की जंग

मौत से लड़कर जिंदगी की जंग जीतने वालों में राखी सोनी, विक्की सोनी, समृद्धि सोनी, आराध्या सोनी, अनामिका सोनी, मनोज श्रीवास्, अंशिका श्रीवास, तनिष्क श्रीवास, तनिष्का श्रीवास, इनिया, रियाज हुसैन, जफर, मोहित नामदेव, महेश पटेल, छोटे लाल गौड, कियान वर्मा, रोशन आनंद वर्मा, सुनील वर्मा, सरिता वर्मा, करन वर्मा, के पुवीथारन, जुलियस मैसी, सिया मैसी, प्रदीप मैसी, वृन्दा, मंजू खडगा, पूनम थापा, सरस्वती को बचाया गया है।

### तीन मासूम समेत चार लापता

हादसे में तीन मासूम समेत चार अब भी लापता हैं। तमिल 5 वर्ष, कामराज, विराज सोनी 6 वर्ष, मयूरम 9 वर्ष अब भी लापता हैं, जिनकी तलाश में रेस्क्यू चल रहा है।

### अंधेरे ने बढ़ाई मुश्किलें दर्द में कटी रात

हादसे के बाद शुरू हुआ रेस्क्यू ऑपरेशन काफी चुनौतीपूर्ण रहा। रात के अंधेरे और बांध के अथाह जल के बीच अपनों को खोजने की आस में परिजन किनारे पर ही डटे रहे। पुलिस, प्रशासन की टीमें और एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, आर्मी, रात भर मशक्कत करते रहे, लेकिन कुदरत के इस कहर के आगे सब लाचार नजर आ रहे थे।

### पत्नी, समधन की मौत बुजुर्ग को चार घण्टे बाद सकुशल बचाया

ऑर्डिनेंस फैक्ट्री खमरिया से रिटायर 72 वर्षीय सैयद रियाज हुसैन अपने परिवार के साथ बरगी डैम घूमने गए थे। उनके साथ पत्नी रेशमा सैयद 66 वर्ष, नाती जाफर जैदी 13 वर्ष और समधन सैयदा समीम फातमा जैदी उम्र 68 वर्ष थीं। बरगी डैम क्रूज हादसे में सैयद रियाज हुसैन की पत्नी रेशमा सैयद और उनकी समधन सैयदा समीम फातमा जैदी की डूबने से मौत हो गई। श्री सैयद रियाज हुसैन और उनके नाती को रेस्क्यू ऑपरेशन में तीन-चार घण्टे बाद सकुशल बचा लिया गया।

### मां की मौत, बेटा लापता

दरहाई निवासी श्रीमती सोनी परिवार के सदस्यों के गुरुवार को बरगी बांध घूमने गई थीं। टाटा एआई बैंक में कार्यरत 45 वर्षीय श्रीमती सोनी की मौत हो गई। उनके पांच वर्षीय विराज सोनी लापता है, जिनकी तलाश जारी है। परिवार के शेष सदस्य 38 वर्षीय विकास सोनी, 40 वर्षीय अनामिका सोनी, 12 वर्षीय आराध्या सोनी एवं 18 वर्षीय समृद्धि सोनी सुरक्षित हैं।

### कलेजा चीर रही थीं चीखें

रेस्क्यू में आर्मी समेत एसडीईआरएफ, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ टीमें लगी हुई थीं। जैसे-जैसे टीमें पानी की गहराई से एक-एक कर 9 शवों को बाहर निकाला, बरगी तट पर मौजूद हर आंख नम हो गई। वहां का सन्नाटा सिर्फ परिजनों की चीख-पुकार से टूट रहा था। सबसे ज्यादा दुखद वे दृश्य थे, जहाँ अपनों के बेजान शरीर को देखकर उनके अपने बदहवास थे। इस त्रासदी ने न केवल उन परिवारों को उजाड़ दिया, बल्कि हर किसी को शोक की लहर में डुबो दिया।

## तेज आंधी, बारिश और ओलावृष्टि से उड़द की फसल तबाह

**बेमौसम बारिश से किसानों की बढ़ी चिंता, भारी नुकसान की आशंका**

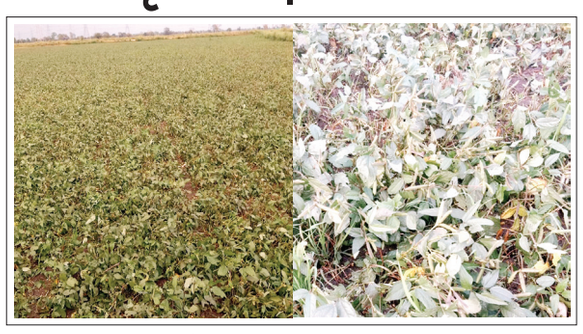

**नवभारत, जबलपुर।** जिले में गुरुवार और शुक्रवार को अचानक बदले मौसम ने किसानों की परेशानी बढ़ा दी है। ग्रामीण क्षेत्रों में तेज आंधी, बारिश और कई जगहों पर ओलावृष्टि के कारण ग्रीष्मकालीन उड़द की फसल को भारी नुकसान पहुंचा है। शहपुरा क्षेत्र के किसान प्रवीण पटेल के अनुसार, शुक्रवार को आई तेज हवाओं और बारिश के साथ ओले गिरने से उड़द की फसल को काफी नुकसान हुआ है। उन्होंने बताया कि कई खेतों में फसल झुक गई है और दाने खराब हो गए हैं, जिससे उत्पादन पर सीधा असर पड़ेगा।

### मौसम साफ नहीं हुआ तो बढ़ेगा नुकसान

बेमौसम हुई इस बारिश ने किसानों के चेहरे पर चिंता की लकीरें खींच दी हैं। पहले से ही मौसम की अनिश्चितता से जूझ रहे किसान अब अपनी फसल को लेकर असमंजस में हैं। यदि जल्द मौसम साफ नहीं हुआ, तो नुकसान और बढ़ सकता है। फिलहाल किसान मौसम के साफ होने का इंतजार कर रहे हैं, ताकि वे नुकसान का सही आकलन कर सकें।

## टेलीग्राम इन्वेस्टमेंट के जाल में फंसा युवक

**जबलपुर ।** अधारताल थाना क्षेत्र में एक युवक को टेलीग्राम चैनल पर मुनाफे का लालच देकर ठगों ने पीड़ित को पहले 15 हजार का लालच दिया और किश्तों में पैसे वसूलते रहे। हद तो तब हो गई जब ठगी करने के बाद भी जालसाज अब प्रोसेसिंग फीस के नाम पर और पैसों की मांग कर रहे हैं।पुलिस के मुताबिक न्यू कंचनपुर निवासी पीड़ित नीरज सिंह भदौरिया ने पुलिस को बताया कि उनके टेलीग्राम पर एक मैसेज आया था। जिसमें दावा किया गया कि यदि वह 3,000 रुपये का निवेश करते हैं, तो उन्हें 15,000 रुपये का रिटर्न मिलेगा। इस झांसे में आकर पीड़ित ने उनके व्हाट्सएप नंबर पर संपर्क किया और बताए अनुसार पैसे ट्रांसफर कर दिए। इसके बाद उसे जाल में फंसा लिया । इसके बाद उसके पास फोन आया कि आपका स्लॉट बुक हो गया है, 2,000 रुपये और दें। फिर मैसेज आया कि आपका पैसा खाते में भेजने के लिए 12,000 रुपये जमा करने होंगे। जब पीड़ित ने और पैसे देने से मना किया, तो ठग ने दूसरे नंबर से मैसेज कर खुद को मददगार बताया और कहा कि सिर्फ 999 रुपये जमा कर दीजिए, आपका पुराना सारा पैसा वापस मिल जाएगा। पीड़ित ने 'कनिका' नामक बैंक खाते में यह राशि भी भेज दी। लगभग 20,000 रुपये ऐंठने के बाद जालसाज ने अपना नंबर बंद कर लिया। लेकिन धोखाधड़ी यहीं नहीं रुकी। ठग ने नए व्हाट्सएप नंबर से नीरज को मैसेज किया और कहा कि मैं आपका पुराना पैसा वापस करवा रहा हूँ, बस 549 रुपये और दे दीजिए। इसके बाद उसे डराया धमकाने जाने लगा।

## जारी है विशेष रेलगाड़ियों की लेटलतीफ़ी

**जबलपुर, नवभारत।** तेज धूप और गर्मी के चलते जहां प्लेटफॉर्म पर बैठना मुश्किल हो गया है, वहीं स्पेशल ट्रेनों का लेटलतीफी जारी है, जिससे यात्रियों को काफी परेशान होना पड़ रहा है। जबलपुर स्टेशन पर स्पेशल ट्रेनों की लेटलतीफी इतना ज्यादा हो गई है कि कई गाडियां 25 घंटे तक विलंब से चल रही है ये ट्रेन कब आयेगी, कोई स्पष्ट जानकारी यात्रियों को नहीं मिल पा रही है जिससे उनकी यात्रा दुखदायी हो रही है।

### परेशान होते रहे छोटे बच्चे

जबलपुर रेलवे स्टेशन आने वाली लगभग सभीस्पेशल एक्सप्रेस ट्रेनें अपने निर्धारित समय से कई घंटे की देरी से चल रही है,

जिसका खामियाजा यात्रियों को भुगतना पड़ रहा है। गर्मी में यात्रा के दौरान सबसे ज्यादा दिक्कत बच्चों को हो रही है। लेटलतीफी का ये आलम है कि गुरूवार को आने वाली कुछ गाडियां शुक्रवार 1 मई को भी जबलपुर नहीं पहुंच सकी थी। जिससे यात्रियों में आक्रोश लगातार बढ़ रहा है।

### ये गाडियां रही लेट

- 03252 एसएमवीबी-दानापुर 25 घंटा
- 01450 दानापुर-हडपसर 17 घंटा
- 09558 एलटीटी-रक्सौल 15 घंटा 30 मिनट
- 01044 एसपीजे-एलटीटी 12 घंटा 30 मिनट
- 03252 एसएमवीबी-दानापुर 10 घंटा
- 01702 हावड़ा-जबलपुर 8 घंटा 20 मिनट
- 09014 मालदा टाउन- उधना 8 घंटा
- 05530 हडपसर-मुजफ्फरपुर 6 घंटा
- 01449 पुणे-दानापुर 3 घंटा 45 मिनट
- 11274 प्रयागराज छिवकी-इटारसी पैसेंजर 6 घंटा
- 11037 पुणे-बीएनवाई 4 घंटा 30 मिनट

स्वत्वाधिकारी रामगोपाल इन्वेस्टमेंट प्राईवेट लिमिटेड हेतु लेसी एंगेज मीडिया प्रा.लि. के लिए आशीष श्रोती द्वारा नेपियर टाऊन बस स्टैण्ड जबलपुर से प्रकाशित एवं नेपियर टाऊन बस स्टैण्ड जबलपुर से मुद्रित. स्थानीय संपादक अविनाश दीक्षित*, *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार, फोन-0761-4109072, E mail-navbharatjabalpur@gmail.com पो.रजि.नं.201-04/2003 RNI Reg No.1537/57